रूस की क्रांति

1917

नामकरण

रूस की 1917 की क्रांति

रूस की साम्यवादी क्रांति

फरवरी क्रांति

अक्टूबर क्रांति

लाल क्रांति

NORWAY
FRANCE
B.
N.
D.
SWEDEN
GERMANY
S.
FIN.
REDS
ITALY
Pol.
AUSTRIA-
HUNGARY
Petrograd
Serb.
Moscow
SOVIET
RUSSIA
ROM.
BUL.
GREECE
SIBERIAN
COSSACKS
V.A.

BRITAIN
SPAIN
Spitsbergen
(uninh.)
CHUKCHI
NORWAY
FRANCE
B.
N.
D.
SWEDEN
GERMANY
S.
FINLAND
(semi-indep.)
NGANASAN
ITALY
Pol.
AUSTRIA-HUNGARY
Petrograd
BOLSHEVIKS
Serb.
Moscow
ROM.
(A-H. part. occ.)
BUL.
GREECE
RUSSIAN REPUBLIC
DON COSSACKS
(Rus. infl.)
KUBAN COSSACKS
(Rus. infl.)
OTTOMAN EMPIRE
Egypt
(Br. prot.)
Tuva
(Rus. prot.)
C.E.R
(Rus. adm.)
Manch.
JAPANESE EMPIRE
MONGOLIA
Khiva
(Rus. prot.)
Korea
(Jap.)
Bukhara
(Rus. prot.)
K.
PERSIA
(Br/Rus dom)
AFGHANISTAN
REPUBLIC

कारण

जार

निकोलस द्वितीय

निरंकुश एवं अत्याचारी शासन-

प्रतिक्रियावादी नीति

निहिलिज्म

उदार और नई संस्थाओं की स्थापना के पक्षधर

गुप्त समितियों का निर्माण

शिक्षक,विद्यार्थी शामिल

हिंसक कार्यवाहियाँ

13 मार्च, 1881 राजकुमार एलेक्जेंडर द्वितीय की हत्या

रूसीकरण की नीति

यहूदी, पोल, फिन, उज़बेग, तातार, कज़ाक जातियों पर प्रतिबंध

एक जार एक धर्म पर बल

सम्पति का अधिकार नहीं

लोकतंत्र का प्रभाव

यूरोप के देशों से प्रभावित लोगों द्वारा अधिकारों की मांग: जार द्वारा अस्वीकार करना

लेखक-दार्शनिक

टोलस्टॉय, तुर्गनेव, दोस्तोवस्की

सभी कार्ल मार्क्स से प्रभावित

रूस में समाजवाद का उदय

रूस-जापान युद्ध

1904-05: रूस की हार

हार के लिए जार को दोषी माना गया

समाजवादी दल

मार्क्स के विचारों का प्रभाव

1895: workman's social democratic party

1903: दो दलों में विभाजित

बोलशेविक-मेनशेविक

बोलशेविक (साम्यवादी) ज्यादा लोकप्रिय

लेनिन का उदय

प्रथम विश्व युद्ध

1914-15 रूस द्वारा मित्र देशों की मदद

91 लाख रूसी सैनिक मारे गए

जार द्वारा कर में वृद्धि करना

बोलशेविक दल द्वारा विद्रोह का आरंभ- रूसी जनता का विद्रोह में भाग लेना

फ़रवरी क्रांति

मार्च1917, पीटरग्राद:

मजदूर सम्मलेन-

“रोटी दो” के नारे

8 मार्च: कारखानों में स्त्रियों द्वारा हड़ताल

10-12 मार्च मजदूर-किसानों द्वारा हिंसक घटनाएं : सेना द्वारा विद्रोहीयों को मदद

12 मार्च: अधिकारियों-मंत्रियों की गिरफ्तारियाँ क्रांतिकारियों द्वारा सोवियत (परिषद) का निर्माण

12 मार्च: रूसी पंचांग के अनुसार 27 फरवरी का दिन था

फरवरी क्रांति कहा गया

14 मार्च

अस्थायी सरकार

प्रिंस लवाव नेता

15 मार्च भाई के लिए
जार द्वारा पद छोड़ने की
घोषणा
जनता ने विरोध किया

जार व पत्नी को
साइबेरिया भेजा गया
जुलाई 1918: हत्या
लोकतंत्र स्थापित

प्रिंस लवाल की अस्थायी सरकार

प्रेस,शिक्षा,धर्म,राजनीतिक प्रतिबंध हटाए

युद्ध जारी रखने का निर्णय

जनता द्वारा विरोध: 3-7 जुलाई 1917 जनता द्वारा विद्रोह

लवाव का त्यागपत्र- क्रेनस्की नया प्रधानमंत्री

मेनशेविक दल का नेता

राष्ट्रीय संवेधानिक सभा की स्थापना

युद्ध बंद करने में असफल

बोलशेविक दल द्वारा विरोध

25 अक्टूबर 1917: क्रेनस्की के विरुद्ध क्रांति की घोषणा

लेनिन का रूस आगमन

5 नवंबर 1917 बोलशेविक नेताओं की गिरफ़्तारी

6-7 नवंबर क्रांति का आरंभ

7 नवंबर लेनिन द्वारा अस्थायी सरकार भंग

रूसी पंचांग- 25 अक्टूबर

अक्टूबर क्रांति: पहली साम्यवादी क्रांति

लेनिन

मंत्रिमंडल- स्टालिन, ट्रसत्की, राईकाव,मिल्यूतिन

ट्रस्टकी विदेश मंत्री- युद्ध से अलग होने की घोषणा

जर्मनी- 3 मार्च 1918

ब्रेस्ट लीटॉवस्क संधि

रूस: कार्स,अर्दहान,बातूम,

यूक्रेन से सेना हटाना

लिथुआनिआ, कोरलेंड,
पोलैंड पर अधिकार छोड़ा
1 अरब 52 लाख डॉलर
हर्जाना देना स्वीकार

गृह युद्ध

साम्यवाद की स्थापना भूमिपतियों, पूँजीपतियों, व्यापारियों, पादरियों भूमि की छीन के लोगों में वितरित किया

पूँजीपतियों द्वारा इंग्लैंड, फ़्रांस, अमेरिका से मदद सेनाओं को रूस भेजा गया लेनिन द्वारा पूँजीपतियों की हत्याएँ करवाना

लाल आतंक-श्वेत आतंक

3 साल तक अशान्ति का वातावरण

1919 प्रथम विश्व युद्ध की समाप्ति

क्रांति के प्रभाव

रोमानोव वंश का अंत

साम्यवाद की स्थापना

रूस का युद्ध से अलग होना

औद्योगीकरण का आरंभ

श्रमिकों की दशा में सुधार

शिक्षा का विकास

विश्व के अन्य देशों में समाजवाद की स्थापना

मजदूर वर्ग के प्रभाव में वृद्धि- अंतर्राष्ट्रीय मजदूर संगठन: 1920 ई.

साम्यवादी सरकारों की स्थापना – पोलैंड, पूर्वी जर्मनी, चेकोस्लोवाकिया, बुल्गारिया,

विश्व का दो गुटों में बंट जाना:-

पूंजीवाद-साम्यवाद : दो विरोधी विचारधाराएँ

लेनिन की नई आर्थिक नीति

कारण

1917-1921: भूमिपतियों से भूमि छीन के किसानों को देना

किसानों द्वारा कर देने से इनकार

1921 का भयंकर अकाल

1921 में नई आर्थिक नीति लागू

विशेषताएँ

किसान भूमि के स्वामी निश्चित कर

1924: रूबल के रूप में कर लेना आरंभ

भूमि का राष्ट्रीयकरण

कम्यून का आरंभ

बड़े सामूहिक कृषि फार्म

उपज में वृद्धि

बड़े उद्योगों का राष्ट्रीयकरण

लघु उद्योग को ज्यादा प्रोत्साहन

विदेशी पूँजीपतियों को सुविधाएँ- FDI

निजी व सरकारी डिपो का आरंभ

विदेश से औद्योगिक विशेषज्ञ लाना

मजदूरों के काम के घंटे

निश्चित- 8 घंटे

सप्ताह में दो दिन अवकाश,

बीमारी के दौरान भी वेतन,

चिकित्सा लाभ

बैंकों का राष्ट्रीयकरण

सहकारी बैंक स्थापित- 1921

नगरपालिका बैंक, कृषि बैंक, बचत बैंक

सामाजिक-सांस्कृतिक विकास

शिक्षा

1897 जनगणना

76% लोग अनपढ़

88% स्त्रियाँ अनपढ़

तकनीकी और वैज्ञानिक शिक्षा का आरंभ

साम्यवादी विचारों को पढ़ना अनिवार्य

1921-22: 244 उच्च शिक्षण संस्थान

मुफ़्त शिक्षा की व्यवस्था

छात्रवृतियों की व्यवस्था

धर्म

साम्यवाद चर्च विरोधी

1918 चर्च को राज्य से अलग किया

शिक्षा, जन्म-मृत्यु, संस्कार के अधिकार छीने गए

पादरियों के मतदान अधिकार समाप्त

साम्यवादी दल के सदस्य चर्च नहीं जाएंगे

1925- नास्तिक संगठन